कान्हा तुझसे ही प्रीत लगाई रे भजन लिरिक्स

कान्हा तुझसे ही,
प्रीत लगाई रे।

दोहा – नजर के सामने,
रहते हो कान्हा,
दिल की धडकन में ,
बसते हो कान्हा,
कैसे भुलाऊ तुमको,
तुम तो हर अहसास में,
रहते हो कान्हा।

कान्हा तुझसे ही,
प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे,
मैंने तुझपे ही,
जिन्दगी लुटाई रे,
हाँ लुटाई रे।bd।

रंग ली तेरे रंग में चुनरिया,
तेरे प्रेम में हुई बाबरिया,
अब आजा तू,
हो अब आजा तू,
अब आजा तू,
मेरे कन्हाई रे,
हाँ कन्हाई रे,
कान्हा तुझ संग,
प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे।bd।

तूने बजाई मधुर मुरलिया,
पागल हो गई सब ग्वालिनिया,
सब छोड़ के,
हाँ सब छोड़ के,
सब छोड़ के,
तेरे पास आई रे,
हा आई रे,
कान्हा तुझ संग

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे।bd।

जीवन नैया तेरे हवाले,
पार लगा दे चाहे डूबा दे,
तेरी मर्जी में,
हाँ तेरी मर्जी में,
तेरी मर्जी में,
मेरी रजाई रे,
हाँ रजाई रे,
कान्हा तुझ संग,
प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे।bd।

सांवरी सुरतिया मेरे मन भायी,
चरणों में 'कौशिक' ने अर्जी लगाई,
तेरा नाम,
तेरा नाम,
तेरा नाम बड़ा सुखदाई रे,
कान्हा तुझ संग,
प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे।bd।

कान्हा तुझसे ही,
प्रीत लगाई रे,
हाँ लगाई रे,
मैंने तुझपे ही,
जिन्दगी लुटाई रे,
हाँ लुटाई रे।bd।

गायक – श्री पीयूष कौशिक जी।
8058941300

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com